महात्मा गांधी पीठ

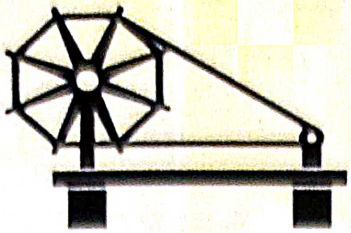

समाज विज्ञान अध्ययनशाला
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर
(नैक द्वारा A+ ग्रेड प्रत्यायित)

महात्मा गांधी पीठ

भारतीयता ही नहीं वरन संपूर्ण विश्व में आदर्श एवं यथार्थ के एकीभूत समन्वयक के रुप में विख्यात सुकृत शिरोमणि मोहनदास करमचंद गांधी जिन्हें हम महात्मा गांधी , बापू, राष्ट्रपिता व अन्य नामों से जानते हैं , उनके जीवन, विचार, दर्शन एवं सिद्धांत हर समय , हर युग में व प्रत्येक देश काल एवं परिस्थिति में प्रासंगिक रहे हैं ओर रहेंगे। महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा ,शांति , अस्तेय अपरिग्रह के सिद्धांतों से एवं सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा एवं असहयोग के शांतिप्रिय साधनों से हमें स्वतंत्रता दिलवाई उनके विचार, दर्शन ,सिद्धांत एवं मूल्यों के प्रचार प्रसार हेतु प्रतिबद्ध शासन एवं प्रशासन ने समय समय पर अपनी नीति एवं कार्यक्रमों के माध्यम से उल्लेखनीय सामाजिक संरचनात्मक कार्य किए हैं इसी श्रृंखला में मध्यप्रदेश शासन ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2019 को प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों में गांधी चेयर की स्थापना की घोषणा की है। देश एवं समाज की ज्ञान राशि के प्रकाश स्तंभ हमारे विश्वविद्यालयों को यदि गांधीवादी मूल्यों के प्रवर्तन की जिम्मेदारी मिलेगी तो निः संदेह हमारा प्रत्येक साध्य सुलभता से प्राप्त होगा। विश्वविद्यालयों में गांधी दर्शन के प्रति अपने नैतिक दायित्वों को पूरा करने के उद्देश्य से देश एवं प्रदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने भी 30 जनवरी 2020 को समाज विज्ञान अध्ययन शाला के अंतर्गत राजनीति शास्त्र विभाग में गांधी चेयर की स्थापना की है ।

गांधीवादी मुल्यों के शैक्षणिक प्रसार एवं सामाजिक प्रचार के साथ ही निहित विषय पर शोध एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करना सामाजिक प्रकल्पों में उच्चशिक्षा के सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों के विभिन्न माध्यमों से महात्मा गांधी के जीवन एवं दर्शन के महनीय मुल्यों से सामाजिक , राजनीतिक , आर्थिक एवं वैश्विक चुनौतियों का समाधान ढूंढना हमारा लक्ष्य है।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय

पश्चिमी मध्यप्रदेश में इंदौर संभाग के 7 आदिवासी जिलों के अंतर्गत 1964 में .स्थापित इंदौर विश्वविद्यालय जिसे वर्तमान में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है अपने ध्येयवाक्य ''धियो यो नः प्रचोदयात् ''के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु कृत संकल्पित है। यह विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में नैक द्वारा प्रत्यायित ए+ ग्रेड प्राप्त एकमात्र उच्चशिक्षा संस्थान है। विज्ञान , तकनीकी, कला, वाणिज्य, विधि, पत्रकारिता प्रबंधन एवं समाज विज्ञान के विभिन्न विषयों के स्नातक , स्नाकोत्तर , डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के साथ ही शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी यह विश्वविद्यालय सर्वसुविधा संपन्न है । गांधीवादी मूल्यों के प्रचार-प्रसार एवं ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के समेकित शैक्षणिक विकास के लिए सतत प्रयत्नशील इस विश्वविद्यालय से वर्तमान में 270 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के महाविद्यालय सम्बद्ध है। वर्तमान में यह विश्वविद्यालय शिक्षण शोध अनुसंधान एवं अन्य विषयों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।

समाज विज्ञान अध्ययनशाला

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के अं तर्गत 1989 में स्थापित समाज विज्ञान अध्ययनशाला को अकादमिक सत्र 2016 –17 में UGC द्वारा समाज विज्ञान में उत्कृष्टता के सर्वश्रेष्ठ क्षमता आधारित केन्द्र घोषित किया गया। संस्थान ने सामाजिक समस्याओं एवं चुनौतियों का सरलतम समाधान ढूंढने के लिए सैद्धान्तिक पाठ्यक्रमों के साथ व्यवहारिक कार्ययोजनाओं को भी अपने अध्ययन एवं शोध का विषय बनाया है । सामाजिक पाठ्यक्रमों में राजनीति विज्ञान , समाजशास्त्र, इतिहास नैदानिक मनोविज्ञान सामाजिक कार्य एवं व्यवहारिक पाठ्यक्रमों में [illegible] ग्रामीण विकास,[illegible]क प्रशासन एवं नीति संचालित किये जाते है। साथ ही डिप्लोमा /एम.फिल./ पी.एच.-डी. कोर्स भी यहाँ संचालित किये जाते है जिसका की उद्देश्य विद्यार्थीयों में रोजगारपरक कुशलता एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा का समावेशन कराना है । साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु भी संस्था तत्पर है । महात्मा गांधी पीठ के अंतर्गत इन पाठ्यक्रमों तथा शोध विषयो में गांधी दर्शन को एक पाठ्यक्रम विषय के रूप में पढाया जाना हमारा लक्ष्य है।

महात्मा गांधी के विचार दर्शन पर आधारित ग्राम स्वराज एवं शहरी विकास के मूल्यों के साथ ही सामाजिक समानता, न्याय के लक्ष्य एवं उद्देश्य की ओर संस्थान निंरतर अग्रसर है।

उद्देश्य

1) गांधीवादी विचार दर्शन की प्रासंगिकता को बनाए रखना।
2) गांधीवादी मूल्यों पर आधारित सामाजिक सेवा हेतु निरंतर प्रयास।
3) गांधीवादी दर्शन पर शोध हेतु शोधार्थीयों को प्रोत्साहित करना।
4) स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा दोनों में गांधीवादी दर्शन का विभिन्न माध्यमों से प्रचार।
5) सामाजिक न्याय, युवा जागरुकता, महिला सशक्तिकरण , गरीबी उन्मूलन , शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मुद्दों पर गांधी विचार दृष्टि पर आधारित सामूहिक प्रयास करना।
6) ग्राम स्वराज एवं शहरी विकास से सम्बन्धित गांधी जी के संरचनात्मक कार्यक्रमों के आधार पर विश्वविद्यालय एवं सामाजिक सामुदायिक सहयोग से विभिन्न परियोजनाओं का प्रारम्भ।

आगामी कार्य योजना

- 30 जनवरी 2020 (महात्मा गांधी के बलिदान दिवस) पर उद्घाटन कार्यक्रम।
- गांधी दर्शन पर विश्वविद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन स्तर पर मासिक व्याख्यान श्रृंखला।
- स्कूल शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में गांधीवादी मूल्यों के प्रचार-प्रसार हेतु गांधीवादी चिन्तकों द्वारा परिचयात्मक व्याख्यान।
- विद्यार्थीयों में वाद-विवाद ,वक्तृत्व, प्रश्न मंच, पोस्टर मेकिंग एवं समूह परिचर्चा के माध्यम से गांधी दर्शन आधारित विषयों पर कार्यक्रम।
- ग्राम सुराज यात्रा , जन यात्रा, प्रभातफेरी के माध्यम से लोक चेतना को जागृत करना।
- राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी सेमिनार एवं कार्यशाला।
- 2अक्टूबर 2020 को सम्बन्धित शोध स्मारिका का प्रकाशन।
- गांधी जी पर केन्द्रित शोध कार्य करने वाले शोधार्थीयों को अन्य छात्रवृत्ति के साथ - साथ राशि रुपये 5000/- प्रतिमाह की दर से वार्षिक राशि रुपये 60,000/- प्रदान करते हुये अधिकतम 3 वर्ष के लिये राशि रुपये 1 लाख 80 हजार शोध प्रोत्साहन राशि प्रदत्त की जायेगी। यह शोध प्रोत्साहन राशि विश्वविद्यालय में शोध पंजीयन की अधिसूचना जारी होने के दिनांक से अधिकतम 3 वर्ष तक प्रदान की जावेगी।
- गांधीवादी मूल्यों पर स्थापित विभिन्न सेवा योजनाओं , शिक्षण संस्थाओं एवं ग्रामीण एवं शहरी प्रशासनिक इकाईयों का शैक्षणिक भ्रमण।
- महात्मा गांधी के जीवन से सम्बन्धित तिथियों पर विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला।